RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 2 | मूल्य - रू.1/- | फरवरी 2017 | पृष्ठ - 8

संगठन शक्ति

- सुख, समृद्धि एवं प्रगति का आधार -

फाइल चित्र : BJS राष्ट्रीय अधिवेशन, चेन्नई, ४-५ नवेम्बर, २०१६

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन: संगठन शक्ति ही समाज का आधार है 3

बी जे एस गतिविधियाँ .....4 - 5

प्रतिभाएँ-जो हमारी प्रेरणा के स्त्रोत है.....6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियों एवं समाचार 7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

आधुनिक तकनीकी की 21वीं शताब्दी में 'कॉम्प्यूटर से डिजिटलाईज़ेशन की प्रारम्भ हुई यात्रा' विषय पर गत माह के अंक को बड़ी संख्या में पाठकों ने सराहा व प्रतिसाद भी प्राप्त हुए हैं, एतदर्थ धन्यवाद करता हूँ. इस विषय को समाज व देश शीघ्र समझे व आत्मसात करे, यही 21वीं शताब्दी की हमारे समक्ष सबसे बड़ी मांग है.

कुछ ही दिनो पूर्व 26 जनवरी को 68वां गणतंत्र दिवस सम्पूर्ण देश में मनाया गया. राष्ट्रीय पर्व हममें राष्ट्रीयता का सिंचन तो करते ही हैं साथ ही राष्ट्रीय एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति हमें सजग भी करते हैं. अनेक शताब्दियों के पश्चात गुलामी की बेड़ियां टूटी और विदेशी शासन से हमें मुक्ति 1947 मे मिली. देश में प्रजातांत्रिक व्यवस्था स्थापित हुई व विश्व के सर्वाधिक बड़े प्रजातंत्रीय देश के नागरिक बनने का गौरव हमें प्राप्त हुआ. प्रजातंत्रीय भारत के संविधान के प्रभावी होने के उपलक्ष्य में मनाए जाना वाला यह उत्सव, हमें निरंतर ही चिंतन एवं मंथन करने हेतु प्रेरित करता है कि संविधान निर्माताओं की भावनाओं के अनुरूप क्या हम एक स्वस्थ्य प्रजातन्त्र को जन्म दे पाएँ हैं? मूलभूत अधिकारों व उनका प्रयोग, देश की महिलाओं द्वारा सर्वाधिक मतदान, राजनीतिक सत्ता का शांतिपूर्ण परिवर्तन आदि भारतीय प्रजातन्त्र की विशेषताए हैं. सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि मताधिकार प्रयोग हेतु सामान्य तौर पर आम नागरिक में उदासीनता व्याप्त रहती है. प्रजातन्त्र का अर्थ प्रजा का, प्रजा द्वारा व प्रजा के लिए होता है जिसे हमें आत्मसात करना शेष है. हमें मिले राजनीतिक प्रजातन्त्र को सामाजिक प्रजातन्त्र में परिवर्तित करने का उत्तरदायित्व देश के सभी नागरिकों का है. स्वतंत्रता के इन 7 दशकों मे हम इस उद्देश्य में कितने सफल हुए हैं, यह प्रश्न स्वयं से करने का यह योग्य समय है.

क्या हमने स्वतन्त्रता के पश्चात अपेक्षित व योग्य प्रगति की है? आज भी हमारी प्रति व्यक्ति औसत आय 1600 डॉलर्स है जबकी विकसित देशों मेँ यह 30000 डॉलर्स है. देश गुलाम रहा इसलिए गरीब है, यह दलील अब 70 वर्षों के पश्चात् देना योग्य नहीं है. देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है व उनकी समुचित प्रगति के प्रयासों की आज भी प्रतिक्षा है व आज भी हम विकासशील देश की श्रेणी में हैं. हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, जातियों, भाषाओं आदि की विविधताओं से भरा पड़ा है जहां मत-मतांतर होना स्वाभाविक है. विचारों की स्वतंत्रता हमारा मूलभूत अधिकार भी है किन्तु देशवासियों की राष्ट्रीय विचारधाराओं में भिन्नता ही हमारी चिंताओं का कारण है. हमारी समान वैचारिकी ही राष्ट्र की सुरक्षा व अखंडता हेतु सच्ची देश भक्ति का परिचायक होगी. देश के लिए , व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर, संविधान मे निहित भावनाओं के अनुरूप, हमें संगठित होने की आवश्यकता है.

मात्र राजनीतिक व्यवस्थाओं से हमारी समुचित प्रगति संभव नहीं है. आम नागरिक को पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा मिलना अभी भी शेष है. भारतीय ग्रामीण समाज और यहाँ तक कि शहरी समाज का एक बड़ा भाग क्या समय के साथ चलने में सक्षम है? समाज के विकास के लिए मिलजुल कर कार्य करने की संस्कृति का विकास करना हमारा उत्तरदायित्व है. यदि हम संकल्पित हैं कि इस देश को सही अर्थों में महान बनाना है तो हमारे समक्ष संगठित होने के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प नहीं है.

मित्रों ! संगठन में ही शक्ति है. बीजेएस ने इस विषय को आत्मसात ही नहीं किया अपितु गत 30 वर्षों की उसकी कार्यप्रणाली इसका प्रमाण है. हम संगठित समाज के माध्यम से देश को नई दिशा देने हेतु कृतसंकल्पित हैं. जैन समाज के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, हमारे प्रिय एवं आदरणीय श्री मुथ्थाजी की संकल्पना है जिस पर हम गत 3 दशकों से कार्यरत हैं व सभी सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर एक नवीन भारत का निर्माण ही हमारा लक्ष्य है. इस अंक में 'संगठन में शक्ति' पर हम आपसे विस्तृत चर्चा कर रहे हैं. आईये, इतिहास से बोध-पाठ ग्रहण कर, नकारात्मक एवं निष्क्रीय शक्तियों के विरुद्ध खड़े होने की आवश्यकता को समझते हुए एक नवीन सामाजिक क्रांति के सूत्रधार बनने हेतु हम सभी कृत-संकल्पित हों.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

संगठन शक्ति ही समाज का आधार है

मंथन

मनुष्य मूलतः सामाजिक प्राणी है. जन्म के समय शिशु परिवारजन पर निर्भर होता है जो 'अवलंबन' की स्थिति है. यौवनकाल मे क्षमताओं के संचय से वह शिशु 'स्वावलंबन' प्राप्त करता है. मानव जीवन के क्रमिक विकास के इन दो चरणों के अतिरिक्त तृतीय किन्तु महत्वपूर्ण चरण 'परस्पर अवलंबन' है जिसमें समान उद्देश्यों हेतु सहकार व मिलजुलकर नवसृजन की चाह का आधार संगठन होता है. यहीं से 'मैं' से 'हम' की यह यात्रा प्रारम्भ होती है जो समाज को जन्म देती है.

परिवर्तन प्रकृति का नियम है. परिवर्तन की आंधियों में समाज नाम की संस्था को सर्वाधिक सहना पड़ता है. जिसके दुष्प्रभाव से संगठन प्रभावित होता है व समाज का विघटन होता है. ऐसी स्थितियों में समाज में उत्पन्न अव्यवस्थाएं अनेक सामाजिक बीमारियाँ, समस्याओं एवं कुरुतियों को जन्म देती हैं. 20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में सामाजिक विघटन चरम सीमा पर था. देश में विभिन्न समाजों की स्थितियाँ कमजोर साबित होती प्रतीत हो रही थीं, परिणामस्वरूप इन दशकों में अनेक सामाजिक समस्याओं ने जन्म लिया. समाज में संगठन की भावना को जागृत रखने के साथ–साथ उसे सही दिशा व विकास के पथ पर अग्रसर रखना आवश्यक था. हमारा सौभाग्य है कि जन सामान्य को आगाह करने व समाज को सही दिशा देने हेतु हर काल में युग पुरुष जन्म लेते रहे हैं.

आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था ने युवा अवस्था में ही इन सामाजिक परिस्थितियों का गहन अध्ययन किया व समाज को योग्य दिशा देने का संकल्प लिया. आपने वर्ष 1985 में भारतीय जैन संघटना की स्थापना की व जैन समाज में व्याप्त लिंग दर में अनुपातिक अंतर के परिणामस्वरूप विवाह सम्बन्धी समस्याओं के उग्र रूप धारण करने की संभावनाओं से समाज को आगाह ही नहीं किया अपितु समस्या के समाधान हेतु रिर्सच आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिससे समाज लाभान्वित हुआ तथा समाज की अवधारणा मजबूत हुई. श्री मुथ्थाजी का स्पष्ट मत है कि सम-वैचारिक व्यक्तियों द्वारा ही संगठन खडा किया जा सकता है जो स्वस्थ समाज के अस्तित्व को बनाये रखने हेतु आवश्यक है. भारतीय जैन संघटना राष्ट्रीय स्तर की संस्था है जिसका 10 से अधिक राज्यों में विस्तार होने के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की फौज है. यह समाज व देश को संगठित करने के भागीरथ प्रयास में श्री मुथ्थाजी की दूरदृष्टि एवं वैचारिक संकल्पनाओं को मूर्तरूप देने हेतु सदैव तत्पर रहती है. यह संगठन शिक्षा, आपदा प्रबन्धन व सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अद्वितीय एवं महत्वपूर्ण कार्य कर रही है. देश को श्रेष्ठ नेतृत्व प्राप्त हो हेतु युवा पीढ़ी को शिक्षित व संस्कारित करने के उसके विविध कार्यक्रमों के माध्यम से वह प्रयासरत है तथा समवैचारिक सभी देशवासियों एवं संस्थाओं को क्षमताओं के अनुरूप उनकी सहभागिता की अपेक्षा रखती है.

विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा गत अनेक दशकों से समाज के विकास व उत्थान से देश की अखंडता को सुनिश्चित करने हेतु अविरत रूप से प्रयास किये जा रहे हैं. किन्तु वैचारिक मतमतान्तरों, व्यक्तिगत स्वार्थों, व्यक्तिवादिता, गिरते सामाजिक मूल्यों आदि कारणों से आम देशवासी सामाजिक व नैतिक उत्तरदायित्वों के प्रति विमुख सा रहता है. रावण के साथ युद्ध में जटायु हारा और घायल होकर अंतिम श्वासें गिन रहा था. किसी ने कहा "तुम्हें पता था कि तुम रावण से जीत ही नहीं सकते तो फिर तुमने उसे क्यों ललकारा?" जटायु ने उत्तर दिया "मुझे भलीभांति ज्ञात था कि मैं रावण से नहीं जीत सकता. पर उस समय मैंने रावण से युद्ध नहीं किया होता तो भारतवर्ष की आने वाली पीढ़ीयाँ मुझे कायर कहती. अरे ! एक भारतीय आर्य नारी का अपहरण मेरी आँखों के सामने हो रहा हो ओर मैं छिप जाऊं, इससे तो मौत ही भली. मैं अपने सर पर कायरता का कलंक लेकर जीना नहीं चाहता था, इसलिए रावण से युद्ध किया." हम सभी में जटायु जैसी हिम्मत, नारी सम्मान एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों की भावना हो तो इस देश में 'निर्भया' काण्ड की पुनरावृत्ति न हो. महावीर, गौतम और गांधी के इस देश को हमारी संगठन शक्ति से सिंचित कर नए भारतवर्ष के निर्माण के साथ देश की गौरव गाथा हम गा सकें, यही हमारा संकल्प हो.

फाइल चित्र : BJS राष्ट्रीय अधिवेशन, चेन्नई, ४-५ नवेम्बर २०१६

भारतीय जैन संघटना के कार्य समाजोपयोगी - राजस्थान गृह मंत्री श्री कटारिया

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा उदयपुर में सम्पन्न

20 व 21 जनवरी, 2017 को बीजेएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा उदयपुर (राजस्थान) में सम्पन्न हुई. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूट (FJEI) के हाल ही में किए गए पुनर्गठन के पश्चात राज्य कार्यकारिणी समितियों के गठन व पदाधिकारियों के मनोनयन का 11 राज्यों मे पूर्ण हुए कार्य से सभासदों को अवगत कराते हुए आशा व्यक्त की कि FJEI की कार्यसूची मे सम्मिलित किए गए कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से जैन समाज ही नहीं अपितु राष्ट्र हेतु एक नवीन अध्याय प्रारम्भ होगा. आपने बीजेएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्यों को उनके राज्यों में FJEI के पदाधिकारियों को सहयोग करने की अपील की.

मा श्री गुलाबचंद कटारिया

आपने कहा कि 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के तहत मार्च, 2017 तक निर्धारित किए गए 1 लाख युवतियों के सक्षमीकरण के लक्ष्य हेतु मात्र अहमदनगर जिले में 1009 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है. जैन समाज को अल्पसंख्यक लाभ लेने में व विशेषकर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति आवेदन करते समय सामान्यतौर पर महसूस की जा रही परेशानियों के समाधान में, जमीनी स्तर पर सेवाएँ, मार्गदर्शन देने हेतु प्रत्येक राज्य से 2 या अधिक व्यक्तियों को पुणे में 21 एवं 22 मार्च, 2017 को प्रशिक्षित किया जाएगा.

व्यवसाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी i-BuD 5 तथा अंतर्राष्ट्रीय i-BuD जून, 2017 में आयोजित करने का निर्णय लिया. बीजेएस के राज्यवार वार्षिक केलेण्डर में स्मार्ट गर्ल, अल्पसंख्यकता के लाभ हेतु जन जागृति, व्यवसाय विकास सेमिनार, बीजेएस चेप्टर गठन, परिचय सम्मेलन आदि का लक्ष्य निर्धारण फरवरी 2017 तक करने का निर्णय लिया गया. इस बैठक में राजस्थान राज्य के गृह मंत्री माननीय श्री गुलाबचंद जी कटारिया सा. एवं उदयपुर के मेयर आदरणीय श्री चन्दरसिंह जी कोठारी सा. ने शामिल होकर भारतीय जैन संघटना के कार्यों को आज के समय में समाजोपयोगी निरुपित किया. सभा के आयोजक व राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री राजकुमार फत्तावत व उदयपुर टीम का सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया गया.

फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूट का प्रथम राज्य अधिवेशन हुआ आयोजित

FJEI का 8 जनवरी, 17 को महाराष्ट्र के चाँदवड़ नगर में राज्य का प्रथम राज्य अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमें राज्य की विभिन्न जैन शैक्षणिक संस्थाओं के ट्रस्टीयों एवं प्रधानाचार्यों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की. अधिवेशन आयोजन का उद्देश्य राज्य में स्थित जैन शिक्षण संस्थाओं को एक छतरी के नीचे लाना तथा साझा मंच प्रदान करना था ताकि वे उनके समक्ष खड़ी शिक्षण जगत से संबन्धित चुनौतियों का समाधान पा सकें व इस माध्यम से वे उनके राष्ट्रीय योगदान को उजागर कर सके.

FJEI के राज्य अध्यक्ष श्री अजित सुराणा अधिवेशन के आयोजक थे व भारतीय जैन संघटना ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग किया. श्रीमान शांतीलालजी मुथ्था व FJEI के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वल्लभ भंसाली अधिवेशन में उपस्थित रहे व सभी को मार्ग दर्शन देने के साथ उन्होने FJEI की भावी योजनाओं से अवगत कराया. इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई.

अधिवेशन में अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षण संस्थाओं हेतु महाराष्ट्र के 4 नगरों कुंभोज बाहुबली, औरंगाबाद, पुणे एवं नागपुर तथा 'स्मार्ट गर्ल' प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सांगली, चाँदवड (नाशिक), पाचोरा (जलगाँव) व पुणे में आयोजित करने की तिथियों की घोषणा की गई. सूचित किया गया कि शांतीलाल मुथ्था फाउंडेशन के शिक्षण संस्थाओं हेतु तैयार किए जा रहे आगामी पीढ़ी के भावी कार्यक्रमों से वे लाभान्वित हो सकेंगे. मूल्यवर्धन कार्यक्रम को जैन शिक्षण संस्थाओं मे ले जाने हेतु शिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला वाघोली पुणे में करनी की घोषणा की गई.

स्मार्ट गर्ल (युवती सक्षमीकरण)

बीजेएस के चेन्नई (तमिलनाडू) मे 5 व 6 नवंबर, 16 को आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन मे फरवरी, 17 तक माध्यमिक विद्यालयों की 1 लाख छात्राओं के सक्षमीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था. इसी अनुरूप महाराष्ट्र राज्य शिक्षा विभाग व राज्य प्रशासन के माध्यम से अहमदनगर जिल्हे की सभी माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं को सक्षम करने की कार्ययोजना को अंजाम देते हुए प्रथम चरण मे अहमदनगर के 14 तालुकों और अहमदनगर महानगरपालिका क्षेत्र के चुनिन्दा 72 शिक्षकों को इस कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक नियुक्ति हेतु प्रशिक्षण 19 व 20 दिसंबर, 16 को अहमदनगर मे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख द्वारा प्रदान किया गया. इन 72 प्रशिक्षकों ने 146 विद्यालयों की 6272 छात्राओं को बतौर प्रयोग सक्षम भी किया व 16 व 17 तथा 20 व 21 जनवरी, 17 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं मे अहमदनगर जिल्हे के 41 नगरों/शहरों मे 1009 शासकीय विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के प्रशिक्षक बनने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया. कार्ययोजना के अनुरूप आयोजित हुई इन प्रशिक्षण कार्यशालाओं में बीजेएस के 'स्मार्ट गर्ल' प्रशिक्षकों व पदाधिकारियों ने बतौर निरीक्षक प्रत्यक्षदर्शी निरीक्षण किया. इन सभी 1009 प्रशिक्षित शिक्षकों ने 23 जनवरी, 17 से कार्यशालाएँ लेना प्रारम्भ किया है व फरवरी, 17 के अंत तक 1 लाख से अधिक कक्षा 8, 9 व 10 की छात्राओं को सक्षम बनाया जाएगा ताकि वे 21वी शताब्दी की सामाजिक चुनौतियों को सामना दृढ़ता व सफलता से कर सकें.

बाहुबली विद्यापीठ द्वारा कुंभोज (महाराष्ट्र) में जैन शैक्षणिक संस्थाओं हेतु किया कार्यशाला का आयोजन

29 फरवरी, 17 को जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु अल्पसंख्यक संवैधानिक अधिकारों व लाभों पर आयोजित कार्यशाला में सांगली व कोल्हापुर जिल्हे की 21 जैन शिक्षण संस्थाओं के 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

कार्यशाला में बीजेएस अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक व कार्यशाला प्रशिक्षक श्री निरंजन जुवाँ जैन, अहमदाबाद ने संवैधानिक अधिकारों, लाभों, अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त करने की प्रक्रियाओं, अनुदान की विभिन्न योजनाओं आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया. प्रतिभागियों ने रचनात्मक सहभागिता का प्रदर्शन करते हुए श्री जुवाँ के समक्ष अल्पसंख्यक विषय में महसूस की जा रही परेशानियों व संवैधानिक अधिकारों के हनन संबंधी मुद्दों को प्रस्तुत किया जिसके उत्तर व स्पष्टीकरण उनके द्वारा दिये गए.

बीजेएस युगल - दुबई फन टूर

देश भर के बीजेएस कार्यकर्ताओं के लिए 'बीजेएस युगल - दुबई फन टूर' का आयोजन 10 से 16 मार्च, 2017 तक किया जा रहा है. बीजेएस कार्यकर्ताओं एवं परिवारों के मध्य परिचय, परस्पर सामंजस्य, सुदृढ़ता एवं बंधुत्व की भावना के विकास के उद्देश्य को लेकर आयोजित यह टूर सभी के लिए कारगर साबित होगा. इस टूर के माध्यम से बीजेएस गतिविधियों को दुबई में क्रियान्वित करने की संभावनाओं को भी तलाशा जायेगा.

इस टूर में बुर्ज खलीफा,मरीना क्रूज शो, दुबई एवं आबू-धाबी सिटी भ्रमण, डेजर्ट सफारी, फेरारी वर्ल्ड जैसे आकर्षण शामिल है. पंजीयन हेतु श्री रजनीश जैन, नागपुर से **93731 04897** पर संपर्क किया जा सकता है.

नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों का बड़े पैमाने पर आयोजन सम्पन्न

पद्मश्री स्व. डा.शरद कुमार दीक्षित की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों में अमेरिका के प्लास्टिक सर्जनों की सेवाओं से दिसंबर, 16 तक महाराष्ट्र के 8 शहरों में चेहरे की विकृतियों की 650 सफल शल्य चिकित्सा की गई. जनवरी, 17 में पुणे में- 303, हुबली- 68, इंदौर-154 एवं उज्जैन-95 शल्य चिकित्सा की गई. इस वर्ष कुल मिलकर 1920 नि:शुल्क शल्य चिकित्सा की गई.

इस वर्ष दिसंबर,17 व आगामी वर्ष जनवरी, 18 में इस आयोजन को अधिक वृहद बनाने हेतु नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरों के आयोजन को अन्य राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश आदि में करने का निर्णय लिया गया व बीजेएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्यों व पदाधिकारियों से उनके राज्य में इन शिविरों के आयोजन की संभावनाएं खोजने की प्रार्थना की गई.

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं

इनसे मिलिए

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय मंत्री

श्री संजय सिंगी ,रायपुर (छतीसगढ़)

भारतीय जैन संघटना के युवा स्तंभ श्री संजय सिंगी उद्योगपति हैं. आपकी रायपुर स्तिथ औद्योगिक इकाई में फायबर ग्लास फोसिंग वायरमेश का उत्पादन होता है. आपने B.E. (Chemical Engineering) में किया है. आपकी धर्म में गहरी आस्था एवं रूचि है, अतएव आपने जैन दर्शन पर गहन अध्ययन एवं शिक्षण ही प्राप्त नहीं किया अपितु MA (Jain Philosophy) में भी किया.

श्री सिंगी भारतीय जैन संघटना से वर्ष 2008 में जुड़े. आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सिंगी के सतत् आग्रह पर आपने युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया. आपकी समाज को किसी भी स्थिति में श्रेष्ठ प्रदान करते रहने की भावना का ही प्रतिफल है कि आपको युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम का मुख्य प्रशिक्षक वर्ष 2009 में नियुक्त किया गया. अब तक आपने 7 प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से 60 प्रशिक्षक तैयार किये हैं. आपने स्वयं 30 युवती सक्षमीकरण कार्यशालाएं ली हैं व 2000 से अधिक युवतियों को सक्षम करने का सौभाग्य प्राप्त किया है

आप वीरल व्यक्तित्व के धनी हैं व किसी भी परिस्थिति में सामान्य रह कर वास्तविकताओं व सही विचारों को स्वीकार करते हैं परिणामस्वरूप आप में निहित प्राकृतिक प्रदत्त क्षमताओं का आप भरपूर प्रयोग सफलताओं के साथ करते हैं. आप धैर्य के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु संकल्पित रहते हैं व आपका मानना है कि परिवर्तनों हेतु समय की सीमा नहीं होती. आप युवा वर्ग की क्षमताओं व प्रतिभा पर विश्वास करते हुए योग्य मार्गदर्शन देने हेतु उन्हें प्रशिक्षित करने के पक्षधर हैं. आपका मानना है कि स्वस्थ रहकर ही जीवन के विभिन्न उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है. मनोरंजक व रोमांच से भरपूर जीवन जीने की ललक आपकी विशेषताओं में है.

आप भारतीय जैन संघटना युगल सक्षमीकरण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक हैं व आपने अब तक 4 प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से 25 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया है तथा 300 युगलों को सक्षम कर उनके जीवन में खुशहाली लाने का कार्य कर चुके हैं. आप परिवार व वैवाहिक मामलों के परामर्शदाता हैं. आप Skill Development Committee NIT, Raipur के अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ जैन युवा मोर्चा के संरक्षक हैं. भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय मंत्री के दायित्व में समाज को अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं. आप श्री शांतीलालजी मुथ्था के विचारों से अत्याधिक रूप से प्रभावित हैं व उन्हें अपना आदर्श मानते हैं.

e-mail - sanjayjainraipur@yahoo.com

हमें इनपर गर्व हैं

डा. डी. सी. जैन, जबलपुर

आपका जन्म जनवरी 1933 में जबलपुर के धार्मिक परिवार में हुआ. इंजीनियर दयाचन्द के नाम से जबलपुर में प्रख्यात डॉ. डी. सी. जैन, भारतीय जैन संघटना से वर्ष 2002 में आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था की जबलपुर यात्रा के दौरान जुड़े. आपने शिक्षा के क्षेत्र में समाज व देश को अद्वितीय सेवाएँ प्रदान की हैं.

वर्ष 2002 में आपने जबलपुर में ज्ञान गंगा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल प्रारम्भ किया. वर्ष 2003 में जबलपुर में ही ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एवं साईन्स व 2006 में ज्ञान गंगा कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी तथा MBA व MCA कॉलेज की स्थापना की. मध्यप्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश में इस संस्थान की गणना प्रीमियर शिक्षण संस्थानों में होती है. वर्ष 2002 से भारतीय जैन संघटना की संघटक संस्था 'Federation of Jain Educational Institutes' की गतिविधियों का शुभारंभ ही नहीं किया अपितु व्यापकता भी प्रदान की.

वर्ष 2012 मे आप भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य चयनित हुए. आपने मध्यप्रदेश मे जैन समुदाय द्वारा संचालित शैक्षिक संस्थाओं के ट्रस्टियों का सम्मेलन FJEI के अंतर्गत आयोजित कर जैन समाज को संगठित करने का अनुपम कार्य किया. आपने मध्यप्रदेश बुंदेलखंड व महकौशल विभागों मे भारतीय जैन संघटना के युवती सक्षमीकरण कार्यक्रमों का श्रृंखलाबद्ध आयोजन कर समाज मे चेतना व जागृति लाने का कार्य किया.

जबलपुर के लब्ध प्रतिष्ठित महानुभाव श्री. डी. सी. जैन कुशल सामाजिक नेतृत्वकार, आदर्श एवं सिद्धांतवादी व्यक्तित्व के धनी हैं. सामाजिक सम्बन्धों की अहमियत को समझने वाले श्री जैन समय-समय पर अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किए गए हैं.

e-mail : ggcojbp@yahoo.com

प्रेरणामयी संस्था :'निर्माण'- युवा जीवन की सार्थकता

'हमारा व्यक्तित्व हमारे विचारों की परिणति है; अतः ध्यान दें कि आपके विचार कैसे हैं. विचार जीवंत होते हैं जो दूर तक प्रवास करते हैं'

–स्वामी विवेकानंद

अनंत ऊर्जाओ से युक्त उपयोगी एवं सामर्थ्यवान युवा शक्ति सामन्य तौर पर असंगठित स्वरूप मे होती है, जिसका रचनात्मक वैचारिकी मे रूपान्तरण आवश्यक है. 'निर्माण' युवाओं की पहचान व पोषण से सामाजिक चुनौतियों के समाधान हेतु संगठित कर उन्हें युगदृष्टा के रूप मे प्रस्थापित करने का प्रयास करता है. यह एक शैक्षणिक पहल है जिसमें सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है.

'निर्माण' एक असाधारण कार्यक्रम है जो मार्गदर्शन देने के साथ साथ प्रबल सामाजिक प्रवृत्तियों हेतु स्व-ज्ञान व दक्षता प्राप्ति के अवसर प्रदान करता है. 'निर्माण' युवाओं को सामाजिक उद्यमी बनाने व स्वयं का उपक्रम प्रारम्भ करने, अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर सामाजिक प्रवृत्तियों को सुनिश्चित करने, सरकारी व्यवस्थाओं के साथ जुड़कर देश की सेवा करने व स्वयं के व्यवसाय से समय निकालकर समाज विकास की गतिविधियों में प्रवृत्त होने का अवसर प्रदान करता है. अभी तक 700 से अधिक युवा महाराष्ट्र के 31 जिल्हों से इस कार्यक्रम मे जुड़े हैं, जो इस कार्यक्रम की सफलता का परिचायक है. 'निर्माण' सभी को जीवन का अर्थ समझाते हुए प्रोत्साहित करता है कि स्वयं को पहचानो तथा जीवन विकास अभियान मे भागीदारी कर जीवन उन्नत करो. महात्मा गांधी एवं विनोबा भावे के सिद्धांतों से प्रेरित 'निर्माण' का उद्देश्य पारंपरिक एवं आधुनिक शिक्षण के बीच की खाई को भरना है तथा समस्याओं के समाधान के माध्यम से व्यावहारिक एवं वास्तविक शिक्षा प्रदान करना है. यह शिक्षा जीवन की है, जीवन के माध्यम से जीवन पर्यंत की है.

इस वर्ष 'मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना' में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों हेतु महत्वपूर्ण सूचना

हाल ही में अनेक विद्यार्थियों को अल्पसंख्यक मंत्रालय से SMS प्राप्त हो रहें हैं कि उनका आवेदन पत्र ' पोस्ट मेट्रिक स्कॉलरशिप' से 'मेरिट-कम-मीन्स' में अपग्रेड किया गया है व उनके राज्य के नोडल ऑफिसर को आवेदन के वेरिफिकेशन हेतु संपर्क करने की सलाह दी जा रही है.

इस संबंध में उन सभी विद्यार्थियों को सूचित करना है जिन्होनें ' मेरिट-कम-मीन्स' छात्रवृत्ति योजना में आवेदन किया था किन्तु कुछ तकनीकी कारणों से उनका आवेदन ' पोस्ट मेट्रिक' छात्रवृत्ति में रजिस्टर हो गया था कि राज्य अल्पसंख्यक विभागों द्वारा इस मुद्दे को अल्पसंख्क मंत्रालय के समक्ष रखने पर तकनीती क्षति को सुधारा गया है व अब विद्यार्थियों को इसकी सूचना दी जा रही है.

ऐसे सभी विद्यार्थियों को सलाह है कि वे उनके ID को LOGON कर जांच कर लें कि उनका आवेदन किस छात्रवृत्ति योजना में रजिस्टर हुआ है. यदि 'पोस्ट-मेट्रिक' में अभी भी दिखा रहा हो तो उसे 'मेरिट-कम-मीन्स' मे अपग्रेड करें व STATUS check कर यदि आवश्यकता हो सभी डोक्यूमेंट्स पुनः अपलोड कर सुनिश्चित करें कि कॉलेज ने आपके आवेदन का सत्यापन (verification) कर आगे प्रेषित कर दिया है. अधिक जानकारी हेतु राज्य के नोडल ऑफिसर को संपर्क करें.

कुछ शिक्षण संस्थानों द्वारा अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के आवेदनों का सत्यापन अभी तक नहीं किया गया

सम्पूर्ण देश में कुछ अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को अल्पसंख्यक मंत्रालय से SMS प्राप्त हुए हैं जिसमें उन्हें सूचित किया गया है कि शिक्षण संस्थान द्वारा उनके आवेदन पत्र को अभी तक सत्यापित नहीं किया गया है. उन्हें यह भी सलाह दी गई है कि वे उनके शिक्षण संस्थान से सत्यापन कार्य शीघ्र ही पूर्ण करवाएँ.

यह मामला सामने आया है कि अनेक शिक्षण संस्थाओं ने जिल्हा अल्पसंख्यक या संबन्धित विभाग से ID Password अभी तक लिया ही नहीं है, जिसके कारण वे उनके द्वारा किए जाने वाले आवेदन पत्रों का Online Verification करने में असमर्थ हैं. जब तक शिक्षण संस्थान सत्यापन कार्य पूर्ण नहीं करते तब तक विद्यार्थियों के आवेदन पत्रों पर छात्रवृत्ति स्वीकृति की प्रक्रिया रूकी रहेगी.

ऐसे सभी विद्यार्थियों को जिनके पास अल्पसंख्यक मंत्रालय से SMS आए हैं, वे उनके शिक्षण संस्थान के आचार्य/प्रबंधन से बात करें व ID पासवर्ड लेने हेतु प्रार्थना करें. किसी दुविधा की स्थिति में राज्य के नोडल ऑफिसर से सहायता हेतु संपर्क करें.

मौलाना आज़ाद नेशनल फॅलोशिप (Maulana Azad National Fellowship)

उद्देश्य

अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के छात्र/छात्राओं को देश में उपलब्ध उच्च शिक्षण की मार्ग प्रशस्ति में अध्येतावृत्ति (Fellowship) देकर उन्हें अनुसंधान आधारित शिक्षण में प्रवत्त कर सामाजिक/शैक्षणिक सशक्तता सुनिश्चित करना है ताकि वे शिक्षण संस्थाओं में व्याख्याता पद एवं सरकारी/ गैर सरकारी तकनीकी एवं अनुसंधान संस्थाओं में उच्च पदों पर नियुक्ति की पात्रता अर्जित करे.

पात्रता

1. रिसर्च स्कॉलर अधिसूचित धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों मे से होना चाहिए.
2. Fellowship के उपबंधों के अनुरूप किसी विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेष की शर्तों को पूर्ण करते हुए रिसर्च स्कॉलर ने नियमित या पूर्णकालिक एम॰फिल/पीएच.डी. पाठ्यक्रम में पंजीकरण Registration करा लिया हो.
3. JRF एवं SRF की आहर्ता प्राप्त करने के लिए क्रमशः प्री-एम॰फिल॰/पीएच॰डी॰ हेतु U G C के मानक को पूर्ण करता हो तथा जिसने स्नातकोत्तर परीक्षा 50% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो.
4. रिसर्च स्कॉलर के परिवार की कुल वार्षिक आय रू॰ 2.50 से अधिक न हो.
5. रिसर्च स्कॉलर किसी अन्य स्त्रोत जैसे केंद्र सरकार, राज्य सरकार, विश्वविध्यालय या विश्वविध्यालय अनुदान आयोग आदि से अध्येतावृत्ति, अनुदान या आर्थिक सहायता प्राप्त न कर रहा हो.

अध्येतावृत्ति का आवंटन

1. प्रतिवर्ष कुल 756 अध्येतावृत्ति धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की 2011 की राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के अनुपात में राज्य/संघ क्षेत्र वार आवंटित होगी.
2. कुल अध्येतावृत्ति का 30%, महिला रिसर्च स्कोलर हेतु निर्धारित रहेगा.

अध्येतावृत्ति की अवधि

एम.फिल. एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रमों हेतु एकीकृतरूप से अध्येतावृत्ति की अवधी 5 वर्ष होगी जिसमें एम.फिल. हेतु 2 वर्ष एवं पीएच.डी. हेतु एम.फिल. के पश्चात 3 वर्ष.

अध्येतावृत्ति की दर अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश दिननांक 24.12.14 के अनुसार निम्न अध्येतावृत्ति दर दिनांक 1.12.14 से प्रभावी की गई है:

1. **रू॰ 25,000 प्रति माह प्रथम 2 वर्षों हेतु -- जूनियर रिसर्च फ़ेलो हेतु**
2. **रू॰ 28,000 प्रति माह शैष 3 वर्षों हेतु -- सीनियर रिसर्च फ़ेलो हेतु**

आवेदन का तरीका

UGC की वेब-साईट 'www.ugc.ac.in/manf/amount-fellowship.aspx' से ऑन-लाईन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होगी.

आवेदन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

1. अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रतिवर्ष प्रमुख समाचार पत्रों तथा मीडिया आदि में योजना का विवरण विज्ञापित करते हैं जिसमें आवेदन करने की तिथियों के खुलने व बंद होने की जानकारी होती है.
2. अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार की वेब-साईट 'www.minorityaffiars.gov.in' एवं UGC की वेबसाईट 'www.ugc.ac.in/manf/amount' पर योजना एवं आवेदन की तिथियाँ दर्शाई जाती हैं.
3. UGC की वेब-साईट 'www.ugc.ac.in/manf/amount-fellowship.aspx' के Home Page पर डाउन लोड विभाग मे Click कर ऑन-लाईन आवेदन की प्रक्रिया का अध्ययन कर, विवरणित निर्देशो के अनुसार आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करें व संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज़ों की सूची प्राप्त करें.

Kesavardhini - the hair care expert
for a long and healthy hair.

(Mix Kesavardhini concentrate with coconut oil and
apply on scalp for amazing results).

Kesavardhini
Natural hair care for generations !

Kesavardhini Products - 16, Arcot Road, Valsarvakkam, Chennai - 87. T - 044-24867308 www.kesavardhini.com www.facebook.com/kesavardhini

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On- 10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600